सत्यमेव जयते
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कला उत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

कला उत्सव : दिशानिर्देश (2023–24)

Kala Utsav : Guidelines (2023–24)

कला उत्सव 2023-24 : दिशानिर्देश

Kala Utsav 2023-24 : Guidelines

अगस्त 2023
श्रावण 1945
PD xx xx

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2023

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित।

विषय-सूची

1.	**कला उत्सव – एक विरासत**	**1–3**
2.	**कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश**	**4–8**
2.1	कला के प्रकार	4
2.2	पात्रता	5
2.3	राष्ट्रीय कला उत्सव	5
2.4	प्रविष्टियाँ	6
2.4.1	प्रविष्टियों हेतु प्रारूप	7
2.4.2	वीडियो फ़िल्म	7
2.4.3	मूल पाठ सारांश (लेखन)	7
2.5	पुरस्कार	8
3.	**राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड**	**9–14**
3.1	संगीत (गायन) – एकल प्रस्तुति	9
3.2	संगीत (वादन) – एकल प्रस्तुति	10
3.3	नृत्य – एकल प्रस्तुति	11
3.4	दृश्य कला	12
3.5	नाटक (एकल अभिनय)	14
4.	**राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के सचिव और के.वि.सं. एवं न.वि.सं. आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व**	**15**
	परिशिष्ट – I	**16-17**
	परिशिष्ट – II	**18**

CONTENTS

1. Kala Utsav — The Legacy **19–21**

2. General Guidelines for Kala Utsav **22–26**

2.1 Art Forms 22
2.2 Eligibility 23
2.3 National Level Kala Utsav 23
2.4 Entries 24
2.4.1 Proforma for submitting entries 25
2.4.2 Video film 25
2.4.3 Textual summary (write-up) 25
2.5 Awards 26

3. Guidelines for National Level Competitions **27–32**

3.1 Vocal Music Solo 27
3.2 Instrumental Music Solo 28
3.3 Dance Solo 29
3.4 Visual Arts 30
3.5 Drama (Solo Acting) 32

4. Role and Responsibilities of the State/UT Secretary and KVS and NVS Commissioners **33**

Annexure – I **34–35**

Annexure – II **36**

1. कला उत्सव – एक विरासत

कला उत्सव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, की वर्ष 2015 से एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना, उसे पोषित करना, प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्रालय माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध और कलात्मक अनुभवों की आवश्यकता और इसके द्वारा विद्यार्थियों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता का ज्ञान प्रदान करने को मान्यता देता रहा है।

कला उत्सव का आरंभ वर्ष 2015 में हुआ था। यह स्कूलों में कलाओं के उत्सव की वह पहल है जो प्रत्येक वर्ष आयोजित हो रही है। ज़िला/राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव की संरचना इस प्रकार की गई है जिसमें कला प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शनियाँ सम्मिलित हैं। कला उत्सव की संरचनात्मक प्रक्रिया, विद्यार्थियों को भारत की विभिन्न जीवंत एवं पारंपरिक कलाओं के अनुसंधान, उन्हें समझने एवं उनके प्रस्तुतिकरण में सहायक होती है। यह उत्सव विद्यार्थियों में भारत की ज़िला/राज्य/राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत विविधता के प्रति जागरूकता लाने एवं उत्सव मनाने का मंच प्रदान करता

है। यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों में, बल्कि उनसे जुड़े सभी व्यक्तियों में भी संस्कृति का प्रचार-प्रसार करता है। भविष्य में यह उत्सव शिल्पकारों, कलाकारों और संस्थाओं को विद्यालयों के साथ जोड़ने में सहायता प्रदान करेगा।

कला उत्सव की परिकल्पना एक समन्वित मंच उपलब्ध कराने का प्रयास है, जहाँ सामान्य एवं दिव्यांग विद्यार्थी (विशेष आवश्यकता समूह वाले विद्यार्थी), भिन्न क्षमताओं और विभिन्न आर्थिक-सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी एक साथ अपनी क्षमताओं का उत्सव मना सकें। यह उनकी प्रतिभा को पोषित करने एवं दिखाने हेतु, उचित अवसर एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा और सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया को और अधिक मूर्त, रचनात्मक, एवं आनंददायी बनाएगा। सभी विद्यार्थियों — सामान्य छात्र, छात्राएँ, वंचित वर्ग से आए विद्यार्थी तथा दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा एक साथ मंच साझा करने से बहुत-सी पूर्वगामी सामाजिक रूढ़ियाँ टूटेंगी।

कला उत्सव केवल एक बार में ही समाप्त हो जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह कलात्मक अनुभव को पहचानने, खोजने, अभ्यास करने और प्रदर्शन की सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रथम चरण है। एक बार इस प्रक्रिया का हिस्सा बनने के बाद, प्रतिभागी विद्यार्थी अपनी जीवंत कला शैली को प्रस्तुत करने के साथ-साथ उस सांस्कृतिक अनुभव एवं मूल्यों पर आधारित जीवन जियेंगे।

नयी शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है। नयी शिक्षा नीति के अनुसार, "भारतीय संस्कृति और दर्शन का विश्व में बड़ा प्रभाव रहा है। वैश्विक महत्व की इस समृद्ध विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए न सिर्फ़ सहेज कर संरक्षित रखने की ज़रूरत है, बल्कि हमारी शिक्षा

व्यवस्था द्वारा उस पर शोध कार्य होने चाहिए, उसे और समृद्ध किया जाना चाहिए और उसमें नए-नए उपयोग भी सोचे जाने चाहिए" (राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020)

यह नीति छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक विकास एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के महत्व पर प्रकाश डालती है जिसके फलस्वरूप, उनमें अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव तथा अन्य संस्कृतियों की सराहना करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। नयी शिक्षा नीति छात्र-छात्राओं के बीच विकसित होने वाली आगामी सांस्कृतिक अवधारणा को एक प्रमुख योग्यता एवं गुण के रूप में पहचानती है तथा कला को इस ज्ञान को प्रदान करने के लिए मुख्य माध्यम के रूप में प्रस्तावित करती है। यह नीति विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में कला की क्षमता को भी इंगित करती है। कला उत्सव (2023-24) को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत का अन्वेषण, आदान-प्रदान और अनुभव करने के लिए एक उचित मंच बनाने हेतु, नयी शिक्षा नीति की परिकल्पना को इसमें सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है।

2. कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश

कला उत्सव (2023-24) ऑफ़लाइन में आयोजित किया जाएगा। प्रविष्टियों, प्रतियोगिताओं और अन्य विशिष्टताओं के लिए निर्धारित समय सीमा के विषय में राज्यों के संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर सूचित किया जाएगा।

2.1 कला के प्रकार

कला उत्सव 2023-24 पारंपरिक लोक कलाओं और शास्त्रीय कलाओं की विभिन्न शैलियों पर केंद्रित होगा। इस वर्ष प्रतियोगिता के लिए निम्नलिखित कलाओं को सम्मिलित किया गया है।

1. संगीत (गायन) — शास्त्रीय संगीत
2. संगीत (गायन) — पारंपरिक लोक संगीत
3. संगीत (वादन) — अवनद्ध वाद्य
4. संगीत (वादन) — स्वर वाद्य
5. नृत्य — शास्त्रीय नृत्य
6. नृत्य — लोक नृत्य
7. दृश्य कला (द्वि-आयामी)
8. दृश्य कला (त्रि-आयामी)
9. स्थानीय खिलौने एवं खेल
10. नाटक (एकल अभिनय)

2.2 पात्रता

सरकारी, गैर-सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों जो केंद्रीय तथा राज्य बोर्ड से मान्यता प्राप्त हो के 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी कला उत्सव 2023-24 में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक राज्य एवं संघ शासित प्रदेश में गैर-सरकारी विद्यालय एवं अन्य केंद्र सरकार के संस्थानों (जैसे– सी.टी.एस.ए./एन.सी.ई.आर.टी. के डेमोन्सट्रेशन मल्टीपर्पस स्कूल/रेलवे स्कूल, बी.एस.एफ./सी.आर.पी.एफ./आर्मी/एयर फोर्स/कैंट बोर्ड्स/एन.डी.एम.सी.,के.जी.बी.वी, एकलव्य विद्यालय इत्यादि) के विद्यालय अपने राज्य में ज़िला स्तर एवं राज्य स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिता में राज्य/संघ शासित प्रदेश के अन्य विद्यालयों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपरोक्त सभी स्कूल जिला और राज्य स्तर के कला उत्सव में भाग लें। प्रदेश केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति अपने स्तर पर अपने विद्यालयों में प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और कला रूप में चयनित अपनी सर्वश्रेष्ठ टीमें राष्ट्रीय कला उत्सव की 10 कला श्रेणियों में भाग लेने के लिए भेजेंगे। इस प्रकार राष्ट्रीय कला उत्सव में कुल 38 दल (36 राज्य/संघ शासित प्रदेशों के और केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति का एक-एक दल) भाग लेंगे।

नोट: कला उत्सव के पिछले वर्षों के विजेता (प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान) को कला उत्सव (2023-24) में भाग लेने की अनुमति नहीं है।

2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव

राष्ट्रीय कला उत्सव (2023-24) का आयोजन स्थल एंव विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं की विस्तृत सूची नोडल अधिकारियों के साथ शीघ्र ही साझा की जाएगी और साथ ही साथ कला उत्सव की वेबसाइट (http://www.kalautsav.in) पर भी अपलोड कर दी जाएगी।

सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति से आग्रह है कि वे कृपया नयी जानकारी के लिए कला उत्सव की वेबसाइट (http://www.kalautsav.in) को लगातार देखते रहें। विभिन्न राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति के नोडल अधिकारी कला उत्सव के राष्ट्रीय आयोजकों की टीम के साथ व्हॉट्सअप के माध्यम से लगातार संपर्क में रहेंगे।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु कला के प्रत्येक क्षेत्र में, शिक्षकों या संबंधित कला के विद्वानों को संगठित कर हर एक कला का अलग निर्णायक मंडल गठित किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के दौरान निर्णायक मंडल विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद करेंगे।

2.4 प्रविष्टियाँ

प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति, 10 श्रेणियों में एक छात्र एवं एक छात्रा की प्रविष्टि ही भेज सकते हैं। राष्ट्र स्तरीय कला उत्सव की प्रस्तुति/प्रतियोगिता केवल प्रामाणिक कक्षा 9 से 12 के छात्र एवं छात्रा द्वारा संबंधित विद्यालय के अधिकारियों के निर्देशन में ही तैयार की जानी चाहिए। इन प्रस्तुतियों में किसी भी प्रकार के बाहरी, व्यावसायिक, पेशेवर कलाकार की भागीदारी स्वीकार्य नही होगी। कृपया ध्यान दें कि एक विद्यार्थी केवल एक ही श्रेणी मे भाग ले सकता है।

प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति अधिकारियों से अनुरोध है कि कला उत्सव 2023-24 में 'दिव्यांग' विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करें।

श्रेणीवत विवरण

क्रं. सं.	श्रेणी	प्रविष्टि	विवरण
1.	संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	हिन्दुस्तानी/कर्नाटक संगीत
2.	संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	कोई भी शैली/उपभाषा
3.	संगीत (वादन) – अवनद्ध वाद्य	1 छात्रा, 1 छात्र	कोई भी पारंपरिक भारतीय अवनद्ध वाद्य
4.	संगीत (वादन) – स्वर वाद्य	1 छात्रा, 1 छात्र	कोई भी पारंपरिक भारतीय स्वर वाद्य
5.	नृत्य – शास्त्रीय नृत्य	1 छात्रा, 1 छात्र	शास्त्रीय विधाएँ
6.	नृत्य – लोक नृत्य	1 छात्रा, 1 छात्र	किसी भी प्रान्त का पारंपरिक लोक नृत्य
7.	दृश्य कला (द्वि-आयामी)	1 छात्रा, 1 छात्र	ड्राइंग या पेंटिंग एवं प्रिंट मेकिंग
8.	दृश्य कला (त्रि-आयामी)	1 छात्रा, 1 छात्र	मूर्तिकला
9.	स्थानीय खिलौने एवं खेल	1 छात्रा, 1 छात्र	पारंपरिक खिलौने एवं खेल
10.	नाटक एकल अभिनय	1 छात्रा, 1 छात्र	एकल रूप से किया गया कोई भी अभिनय

इस प्रकार प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति द्वारा अधिकतम 20 प्रविष्टियाँ होंगी, जिनमें 10 छात्र और 10 छात्राएँ होंगी।

नोट— राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति यह सुनिश्चित करें कि महिला प्रतिभागियों के साथ एक महिला शिक्षिका अनुरक्षक एवं पुरूष प्रतिभागियों के साथ एक पुरूष शिक्षक अनुरक्षक चयनित किए जाएँ जो राष्ट्रीय कला उत्सव के दौरान उन प्रतिभागियों के साथ रहेंगे। दिव्यांग प्रतिभागी के साथ, एक अतिरिक्त अनुरक्षक (जो माता-पिता या शिक्षक हो) को आने की अनुमति है।

राष्ट्र स्तरीय प्रविष्टियों के तीन पूर्वापेक्षित बिंदु निम्न हैं —

2.4.1 प्रविष्टियों हेतु प्रारूप – राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रविष्टियाँ (परिशिष्ट I एवं II में दिए गए प्रारूप में) पूर्णत: भरकर तथा राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति के नोडल अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित कर जमा करना अनिवार्य है।

2.4.2 वीडियो फ़िल्म – राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए प्रत्येक श्रेणी में राज्य स्तरीय प्रविष्ट संबंधी प्रदर्शन की एक वीडियो फ़िल्म जमा की जाएगी। दृश्य कला श्रेणी (द्वि-आयामी, त्रि-आयामी एवं स्थानीय खिलौने) में वीडियो फ़िल्म के साथ कलाकृतियों के फ़ोटो भी भेजने होंगे। प्रतियोगिता स्थल पर कला उत्सव का बैकड्रॉप, कार्यक्रम का नाम, तिथि एवं स्थल का विवरण आवश्यक है। वीडियो फ़िल्म की अवधि 3–5 मिनट के बीच हो सकती है। राष्ट्र स्तरीय प्रविष्टि होने के कारण, वीडियो को प्रारूप एवं सारांश के साथ संलग्नक करें।

2.4.3 मूल पाठ सारांश (लेखन) — हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में अधिकतम सौ शब्दों का मूल पाठ सारांश (कंप्यूटर टाइप किया हुआ) प्रविष्टि के साथ अपलोड करें। मूल पाठ सारांश का फ़ोटो या छायाचित्र स्वीकार्य नहीं हैं। प्रतिभागी मूल पाठ सारांश में उनके द्वारा चयनित कला के उद्भव-स्थान, सम्बद्ध समूह, विशेष अवसर, वेशभूषा तथा उन कलाओं में संगत हेतु प्रयुक्त सामग्री, मंच-सज्जा हेतु वस्तुएँ आस-पास के पर्यावरण के साथ इसका जुड़ाव, इसकी शैली, इस्तेमाल में ली गई सामग्री एवं तकनीक के बारे में विवरण सम्मिलित होने चाहिए।। प्रतिभागी कलाकृति या प्रस्तुति आदि करते हुए अपने छायाचित्र (अधिकतम पाँच) को सारांश के साथ संलग्न कर सकते हैं।

नोट— मूल पाठ सारांश (लेखन) और वीडियो फ़िल्म के लिए प्रत्येक श्रेणी में पाँच अंक निर्धारित किए गए हैं और जो अंतिम मूल्यांकन को प्रभावित करेंगें।

2.5 पुरस्कार

प्रत्येक विजेता (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय) को नकद पुरस्कार*, ट्रॉफ़ी और एक मेडल प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक कला रूप में पुरस्कार राशि निम्नलिखित है—

प्रथम पुरस्कार	:	₹ 25,000/-
द्वितीय पुरस्कार	:	₹ 20,000/-
तृतीय पुरस्कार	:	₹ 15,000/-

**यह उल्लेख करना उचित होगा कि प्रत्येक कला रूप में जीती गई राशि राज्य शिक्षा विभाग के खाते में डिजिटली स्थानांतरित की जाएगी।*

3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड

सभी नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी व्यक्तिगत रूप से प्रविष्टियों की जाँच करेंगे तथा परिशिष्ट I और II में दिए गए प्रपत्रों को भरकर अपलोड करने/भेजने से पूर्व प्रमाणीकरण अवश्य करेंगे।

3.1 संगीत (गायन) – एकल प्रस्तुति

संगीत गायन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी –

1. संगीत गायन — शास्त्रीय संगीत
2. संगीत गायन — पारंपरिक लोक संगीत

सामान्य सूचनाएँ

- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- वेशभूषा और मंच-सज्जा प्रस्तुति से संबंधित होनी चाहिए।
- व्यावसायिक संगीत जगत के गीतों का प्रयोग वर्जित है।
- प्रतियोगिता के आयोजक द्वारा प्रतिभागियों को संगीत वाद्य यंत्रों जैसे– तबला, ढोल, हारमोनियम, की-बोर्ड, मृदंगम आदि में संगतकार की आवश्यकता की

अग्रिम सूचना, नोडल अधिकारी द्वारा भरकर तथा प्रमाणित करते हुए प्रथम परिशिष्ट – I के साथ अवश्य जमा करा दी जानी चाहिए।

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	बंदिश/गीत के शब्दों का उच्चारण	सृजनशीलता	राग के नियम अनुसार प्रर्दशन	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	20	20	10	10	10	15	5	100

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	उपभाषा का उच्चारण	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा एव अन्य सामग्री का उपयोग	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	20	15	15	15	05	15	5	100

3.2 संगीत (वादन) – एकल प्रस्तुति

वादन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी—

1. संगीत (वादन) — अवनद्ध वाद्य
2. संगीत (वादन) — स्वर वाद्य (तंतु, सुषिर)

सामान्य सूचनाएँ

- संगीत (वादन) — अवनद्ध वाद्य में भारतीय संगीत वाद्य यंत्र शामिल है जैसे– मृदंगम, इडैक्का, तबला, ढोल आदि
- संगीत (वादन) — स्वर वाद्य में भारतीय संगीत (तार/तंतु, सुषिर) स्वर वाद्य यंत्र शामिल हैं जैसे– वायलिन, सितार, बाँसुरी, सरोद, वीणा, शहनाई और संतूर आदि।
- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- वेशभूषा और मंच-सज्जा प्रस्तुति से संबंधित होनी चाहिए।

- इलेक्ट्रॉनिक या प्रोग्राम किए गए संगीत वाद्य यंत्र की अनुमति नहीं है।
- प्रतियोगिता के आयोजक द्वारा प्रतिभागियों को संगीत वाद्य यंत्रों जैसे– तबला, मृदंगम, ढोल, हारमोनियम, की-बोर्ड आदि में संगतकार की आवश्यकता की अग्रिम सूचना, नोडल अधिकारी द्वारा भरकर तथा प्रमाणित करते हुए प्रथम परिशिष्ट – I के साथ अवश्य जमा करा दी जानी चाहिए। (

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (वादन) – अवनद्ध वाद्य

वाद्‌य सुर	बंदिश	वादन शैली	सृजनशीलता	लय कारी	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
15	15	15	15	20	15	5	100

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (वादन) – स्वर वाद्य

वाद्‌य सुर	बंदिश	वादन शैली	सृजनशीलता	लय	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
15	15	15	15	20	15	5	100

3.3 नृत्य – एकल प्रस्तुति

नृत्य की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी —

1. नृत्य — शास्त्रीय
2. नृत्य — पारंपरिक लोक

सामान्य सूचनाएँ

- शास्त्रीय नृत्य विधाओं की श्रेणी में भरतनाट्‌यम, छऊ, कथक, सत्तरिया, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मोहिनीअट्टम, कथकली एवं मणिपुरी नृत्य हैं।
- पारंपरिक लोक नृत्य की श्रेणी में किसी भी प्रांत का पारंपरिक लोक नृत्य है।
- नृत्य प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- नृत्य प्रस्तुति किसी भी श्रेणी-प्रकार की हो सकती है, जैसे– पारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन

- ❖ संगीत लाइव/पूर्व में रिकॉर्ड किया हुआ हो सकता है। लाइव संगीत के लिए प्रतियोगिता के आयोजक आवश्यकता पड़ने पर संगतकार प्रदान कर सकते हैं। तीन राज्य के मेंटर शिक्षक या टीम के अन्य सदस्य से भी मदद ले सकते है।
- ❖ वेशभूषा और मेकअप साधारण, प्रमाणिक, विषयगत और प्रस्तुति के अनुरूप ही होनी चाहिए।
- ❖ सेट और वेशभूषा की व्यवस्था राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति के अधिकारियों द्वारा की जाएगी। यह साधारण एव बिना आडम्बर होना चाहिए।

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य – शास्त्रीय

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव-भाव	संगीत	रचनात्मकता	साज-सज्जा	वेश भूषा	मंच-सज्जा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	15	12	12	12	10	12	2	10	5	100

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य – पारंपरिक लोक

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव-भाव	संगीत	रचनात्मकता	साज-सज्जा	वेश भूषा	मंच-सज्जा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	15	12	12	12	10	12	2	10	5	100

3.4 दृश्य कला

दृश्य कला की प्रतियोगिता निम्न तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी—

1. दृश्य कला (द्वि-आयामी)
2. दृश्य कला (त्रि-आयामी)
3. स्थानीय खिलौने एवं खेल

सामान्य सूचनाएँ

- ❖ दृश्य कला (द्वि-आयामी) में कोई भी कलाकार्य जिसके साथ चित्रकला शब्द जुड़ा है, उसे द्वि-आयामी कलाकार्य ही माना जाएगा। उदाहरण के लिए, द्वि-आयामी चित्रकला, त्रि-आयामी चित्रकला, चट्टान एवं दीवार पर चित्रण, फ़र्श एवं ग्राउंड में किया गया चित्रण इत्यादि द्वि-आयामी के अंतर्गत माना जाएगा।

- ❖ त्रि-आयामी शिल्पकला में पर्यावरण अनुकूल सामग्री का प्रयोग अनिवार्य है।
- ❖ प्रतिभागी इच्छानुसार किसी भी सामग्री या माध्यम का प्रयोग कर सकते हैं। पर यह 24×30 इंच इम्पेरिअल साइज से ज्यादा नहीं होना चाहिए
- ❖ कला सामग्री की व्यवस्था राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/के.वि.सं./न.वि.स. के अधिकारियों या प्रतिभागियों द्वारा की जाएगी। आयोजकों द्वारा अनुरोध पर मिट्टी और रेत, जैसे कला सामग्री की व्यवस्था की जा सकती है। नोडल अधिकारी कला सामग्री की आवश्यकता की अग्रिम सूचना, परिशिष्ट – I के साथ अवश्य जमा करा दें।
- ❖ दृश्य कला (द्वि-आयामी, त्रि-आयामी एवं स्थानीय खिलौनों) की आकृति एवं आकार व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुसार तय किया जा सकता है। ऐसे आकार का चयन करें जो दिए गए समय में सम्पन्न हो सके।
- ❖ पारंपरिक खिलौने बनाने वाले प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वह खिलौने की कार्यात्मक सटीकता एवं मूल डिज़ाइन पर विशेष ध्यान रखें।
- ❖ खिलौने निम्नलिखित से संबंधित हो सकते हैं, (i) कृषि औज़ार एवं उपकरण (ii) पंचतंत्र की कहानियाँ, जातक कथाएँ, लोक कथाओं के चरित्र जो प्रतिभागियों के नैतिक मूल्यों को बढ़ाने में सहायक हो सकें। खिलौने बनाने में प्रयोग की जाने वाली सामग्री, मूल खिलौने में प्रयोग की गई सामग्री से मेल खाती हो। यदि वह सामग्री उपलब्ध नहीं है, या प्रतिबंधित है, तो प्रतिभागी स्थानीय एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- ❖ प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान ही मौके पर अपनी कलाकृति या आर्ट वर्क को पूरा करें। पहले बनायी गई कलाकृति की अनुमति नहीं हैं।
- ❖ दृश्य कला प्रतियोगिताओं में अपने कार्य और कलाकृतियों को पूरा करने के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।
- ❖ प्रतिभागियों को निर्णायक मंडल के साथ बातचीत के लिए कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध होना अनिवार्य है। निर्णायक मंडल तीनों दिन प्रतिभागियों के काम का अवलोकन करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे।
- ❖ दृश्य कला की 3 श्रेणियों के प्रतिभागियों को कार्य करने हेतु 6×4 की जगह उपलब्ध करवाई जाएगी।

मूल्यांकन प्रपत्र — दृश्य कला (द्वि-आयामी)

शैली	बंदिश/ रचना	मौलिकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	15	5	100

मूल्यांकन प्रपत्र — दृश्य कला (त्रि-आयामी)

शैली	उत्पाद की उपयोगिता	मौलिकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि/ कौशल	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	15	5	100

मूल्यांकन प्रपत्र — स्थानीय खिलौने एवं खेल

अनुभव	उत्पाद की उपयोगिता विकास एवं मूल्य	मौलिकता एवं प्रासंगिक रचनात्मकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि/ कौशल	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	15	5	100

3.5 नाटक (एकल अभिनय)

सामान्य सूचनाएँ

- ❖ नाटक (एकल अभिनय) में अपने राज्य एवं क्षेत्र के किसी भी प्रसिद्ध व्यक्तित्व जैसे समाज सुधारक, कलाकार, लेखक, कवि, वैज्ञानिक, स्वतंत्रता सेनानी आदि के जीवन की झलकियों का प्रस्तुतिकरण कर सकते हैं।
- ❖ प्रस्तुति की अवधि 6 से 8 मिनट की होगी।
- ❖ मंच-सज्जा और उसे हटाने के लिए 10 मिनट अतिरिक्त दिए जाएँगे।
- ❖ प्रदर्शन आपके क्षेत्र की किसी भी भाषा या बोली में हो सकता है।
- ❖ वेशभूषा, मंच-सज्जा और वस्तुओं की व्यवस्था टीम द्वारा स्वयं की जाएगी।
- ❖ पार्श्व संगीत के लिए कोई ट्रैक या रिकॉर्ड का उपयोग कर सकते हैं।

मूल्यांकन प्रपत्र — नाटक (एकल- नाटक)

विषय	भाष्य/ बोली	संचार कौशल / अभिव्यक्ति	मंच- सज्जा	पोशाक और श्रृंगार	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	लेखन और वीडियो	कुल अंक
20	20	20	10	10	15	5	100

4. राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के सचिव और केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व

सभी प्रविष्टियाँ उस राज्य एवं संघ शासित प्रदेशों के सचिव (शिक्षा) या उनके द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारी द्वारा स्वीकृत होनी आवश्यक होंगी। केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति के संबंध में प्रविष्टियाँ आयुक्त द्वारा स्वीकृत की जाएँगी। नोडल अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह स्वयं सभी प्रविष्टियों की जाँच करें तथा परिशिष्ट I और II में दिए गए घोषणा पत्र को राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में भेजने से पूर्व सत्यापित करें।

परिशिष्ट – I

राष्ट्रीय कला उत्सव, 2023-24 में प्रविष्टियाँ भेजने हेतु प्रारूप

(राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति
द्वारा राष्ट्र स्तरीय प्रतिभागिता में भेजने हेतु)

भाग क : सामान्य सूचनाएँ

1. राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति ______________________________

2. प्रतिभागियों का विवरण –

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	लिंग (छात्र/छात्रा)	विद्यालय का नाम, डाक-पता, पिन कोड तथा विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/अनुदान प्राप्त/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति / प्राइवेट विद्यालय आदि)	कला श्रेणी
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					
19.					
20.					

3. मान्य शिक्षक/अनुरक्षक शिक्षक का वर्णन –

क्र. सं.	शिक्षक/ अनुरक्षक का नाम	पद	लिंग (महिला/पुरूष)	विद्यालय का नाम, डाक-पता, पिन कोड तथा विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/अनुदान प्राप्त//केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति/प्राइवेट विद्यालय)	संपर्क सूत्र
1.					
2.					

4. दिव्यांग प्रतिभागियों के साथ अनुरक्षक का विवरण –

क्र. सं.	माता/पिता (अनुरक्षक) का नाम	अनुरक्षक किए जा रहे दिव्यांग विद्यार्थी का नाम	लिंग (महिला/पुरूष)	पिन कोड सहित संपूर्ण डाक-पता	संपर्क सूत्र
1.					
2.					

5. वाद्य या गायन की प्रस्तुति के लिए संगत/सहायक वाद्यों की आवश्यकता हेतु निम्नलिखित पर निशान (✓) लगाएँ।
   - ❖ तबला
   - ❖ ढोल
   - ❖ हारमोनियम
   - ❖ की-बोर्ड
   - ❖ मृदंगम

6. कला सामग्री (दृश्य कला) की आवश्यकता हेतु निम्नलिखित सामग्री के सामने निशान (✓) लगाएँ।
   - ❖ रेत
   - ❖ गीली मिट्टी

7. मूल पाठ सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। (विस्तृत जानकारी हेतु पैरा 2.4.3 देखें)
8. प्रस्तुतियों की वीडियो फ़िल्म एवं कला बनाने की क्रिया। (विस्तृत जानकारी हेतु पैरा 2.4.2 देखें)

परिशिष्ट – II

घोषणा-पत्र

(राज्य/संघ शासित प्रदेश/केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति के द्वारा प्रदत्त घोषणा)

1. राष्ट्रीय कला उत्सव (2023-24) में प्रतिभागिता के लिए समस्त प्रमाणित/अनुशासित प्रवृष्टियाँ, कला उत्सव 2023-24 एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रदत्त दिशानिर्देशों के अनुसार है।
2. मैंने व्यक्तिगत रूप से इन प्रस्तुतियों का अवलोकन किया एवं मैं प्रमाणित करता हूँ /करती हूँ कि यह संस्तुत प्रविष्टियाँ राष्ट्रीय कला उत्सव 2023-24 के दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।
3. मैं सत्यापित करता हूँ/करती हूँ कि सभी प्रतिभागियों एवं उनके अनुरक्षकों/संरक्षकों की जाँच डी.ओ.पी.टी., एम.एच.ए. और एम.ओ.एच.एफ.डब्लू. के द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर की गई है और वह दिशानिर्देशों के अनुपालन में सही पाये गए हैं जो कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए कार्यस्थल/उत्सव/समारोह को सुरक्षित एवं सुनिश्चित करते हैं।

दिनांक – 20/11/2023

स्थान – ____________________

मोहर के साथ हस्ताक्षर

20/11/2023 तक परिशिष्ट I एवं II को पूर्णरूपेण भर कर, निम्नलिखित ई-मेल आई-डी पर मेल किया जाना चाहिए— kalautsav.ncert@ciet.nic.in एवं साथ-साथ निम्नलिखित पते पर डाक से भी भेजना आवश्यक है —

अध्यक्ष,
कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग, जी.बी. पंत ब्लॉक,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,
श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली – 110016

**राज्य एवं संघ शासित प्रदेश की संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित सचिव (शिक्षा) द्वारा की जाएगी तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति से संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा, केंद्रीय विद्यालय संगठन/नवोदय विद्यालय समिति संबंधित आयुक्त द्वारा की जाएगी।*

1. Kala Utsav—The Legacy

Kala Utsav is an initiative of the Department of School Education and Literacy, Ministry of Education (MoE), Government of India (GoI), launched in 2015, to promote arts in education, by nurturing and showcasing the artistic talent of school students in the country. The Ministry of Education recognises the importance of aesthetics and artistic experience of secondary-level students, which plays a major role in creating awareness about India's rich cultural heritage and its vibrant diversity.

Kala Utsav has regularly been organised every year since 2015, as a celebration of art forms in the school system. The District, State and National level Kala Utsav has been structured as an art festival

to include performances and display of exhibits. The design of Kala Utsav helps the students explore, understand and showcase their artistic talent of practicing different art forms. This event gives students the opportunity to understand and celebrate cultural diversity at the School, District, State and National level. It not only spreads awareness among students, but also creates awareness about India's rich cultural traditions and their practice among different stakeholders. The traditions also show us the creative expansion from individual to the community, which contributes towards the overall development of the society. Further, this will also help to promote networking of artists, artisans and institutions with schools. As an effort to mainstream students with special needs (differently abled and from diverse socio-economic backgrounds) and celebrating their abilities, Kala Utsav is envisaged as a fully integrated platform. It provides an opportunity and favourable environment to nurture and showcase the talents of *Divyang* children (Children With Special Needs) and helps in making learning more expressive, creative and joyful. Sharing the stage collectively by boys, girls, students from disadvantaged groups and *Divyang* children will be a precursor in breaking many existing stereotypes.

Kala Utsav is not a one-time activity but the beginning of a complete

process of identifying, exploring, understanding, practicing, evolving and showcasing the artistic talent. It helps students in identifying and understanding our tangible and intangible cultural expressions. Once part of the process, the participants do not just perform a piece of art from their living traditions, but live the complete cultural experience. It helps in enhancing various skills of the participants and prepares them as ambassadors of our culture. National Education Policy (NEP), 2020 emphasises on the promotion of arts and culture through education. The NEP states; "Indian culture and philosophy have had a strong influence on the world. These rich legacies to world heritage must not only be nurtured and preserved for posterity but also researched, enhanced, and put to new uses through our education system." (NEP, 2020).

It further highlights the importance of cultural exposure and cultural expression that a student should receive in order to develop a better sense of identity, belongingness as well as an appreciation for other cultures. NEP identifies this cultural understanding as a major competency required among children and suggests that art forms are the main medium for imparting this knowledge. It also points out the capacity of arts in enhancing the cognitive and creative ability of students. This vision of NEP has been incorporated in Kala Utsav (2023-24) to create a platform to explore, exchange and experience the diverse cultural heritage of the country.

2. General Guidelines for Kala Utsav

Kala Utsav (2023-24) will be organised in the offline mode. The timeline for the entries, competitions and other specifications will be communicated to the concerned State authorities KVS/NVS, required.

2.1 ART FORMS

The focus of Kala Utsav (2023-24) will be on styles of traditional folk and classical art forms. Art forms included for the competitions this year are:

1. Vocal Music — Classical
2. Vocal Music — Traditional Folk
3. Instrumental Music — Percussive
4. Instrumental Music — Melodic

5. Dance — Classical
6. Dance — Folk
7. Visual Arts (2-dimensional)
8. Visual Arts (3-dimensional)
9. Indigenous Toys and Games
10. Drama (Solo Acting)

2.2 ELIGIBILITY

Students of Classes IX, X, XI and XII of any Government, Government-aided and Private school affiliated to any state of central boards, can participate in Kala Utsav (2023-24). Private schools and schools of other central government organisations/local bodies (like Central Tibetan School administration, Demonstration Multipurpose Schools (DMS) of NCERT, Railways, BSF, CRPF, Army, Air Force, Cantonment Boards, NDMC, KGBV, Eklavya Schools etc.) located in the State/Union Territory will participate at the district and state level competitions, along with the other schools of the State/UT. States/UT have to ensure that all of there schools participate all district and state level. The KVS and NVS will hold competitions amongst the KVS and NVS and their winning teams will participate as two separate teams at the National Level. Thus, total teams participating in each of the 10 categories at the National Level will be 38 [36 States/UTs+ KVS+ NVS].

Note: Winners (1st, 2nd and 3rd position) of the previous years of Kala Utsav are not allowed to participate in Kala Utsav (2023-24).

2.3 NATIONAL LEVEL KALA UTSAV

The National level Kala Utsav (2023-24) will be conducted in offline mode. The venue and schedule of competitions in different categories (once finalised) will be shared with all Kala Utsav nodal officers and shall also be flashed on Kala Utsav website (http://www.kalautsav.in), well in advance.

The State, UTs, KVS and NVS teams are advised to visit the Kala Utsav website for the new announcements and status updates on regular basis. The National team of organisers will continuously be in touch with the Nodal Officers of Kala Utsav from State/UTs/KVS/NVS through an active WhatsApp group which has already been created.

For the national level competitions, in every area of arts, there will be a separate jury consisting of experts drawn from educators, practitioners or scholars of the respective art form. Members of the jury will remain same for all the competition days. The Jury will have direct interaction with the students during these competitions.

2.4 ENTRIES

The State/UTs, KVS and NVS can send one male and one female entry in each of the 10 categories. Entries for Kala Utsav, will have only those student performers who are studying in classes IX to XII and have prepared under the supervision of the school authorities. Participation of professional artists/performers is not allowed as entry. Please note that one student can participate only in one art category, in the given year.

All State/ UTs/ KVS/ NVS authorities are requested to encourage active participation of all categories of Children with Special Needs students in Kala Utsav (2023-24).

Category wise details:

S. No.	Category	Entry	Specifications
1	Vocal Music – Classical	1 Female Student	Hindustani or Carnatic
		1 Male Student	
2	Vocal Music – Traditional Folk	1 Female Student	Any dialect or style
		1 Male Student	
3	Instrumental Music– Percussive	1 Female Student	Any traditional Indian percussion
		1 Male Student	

4	Instrumental Music–Melodic	1 Female Student	Any traditional Indian Melodic
		1 Male Student	
5	Dance – Classical	1 Female Student	Classical forms
		1 Male Student	
6	Dance – Folk	1 Female Student	Traditional folk of any State
		1 Male Student	
7	Visual Arts (2-dimensional)	1 Female Student	Drawing or Painting and Print making
		1 Male Student	
8	Visual Arts (3-dimensional)	1 Female Student	Sculpture
		1 Male Student	
9	Indigenous Toys and Games	1 Female Student	Traditional Toys and Games
		1 Male Student	
10	Drama (Solo Acting)	1 Female Student	Any enactment done individually
		1 Male Student	

Thus, every State, UT, KVS and NVS can submit total of 20 entries, that includes 10 male and 10 female participants.

Note: *Every State/UT/KVS/NVS will nominate one female teacher (escort) for the female participants and one male teacher (escort) for the male participants to accompany their teams. In case of a 'divyang' participant, an additional escort (either a parent or a teacher) is allowed to accompany the participant.*

Entries for the National level will have three components;

2.4.1 Proforma for submitting entries: Every entry is to be supported with the duly filled and signed proforma (given in Annexure — I and II) by the Nodal Officer of State/UT/KVS/NVS to ensure participation at National Level.

2.4.2 Video film: Video film of the State level performance in each category is to be submitted for the National level. In the Visual Art

category (2D, 3D and Indigenous Toys and Games), pictures of the artwork should also be provided along with the video film. The Kala Utsav backdrop with the name of programme, date and venue should be displayed at all competition venues ensuring its visibility in the video. Duration of the video film can be between 3-5 minutes. The video as part of the national level entry is to be uploaded along with the proforma and textual summary as given below.

2.4.3 Textual summary (write-up): The textual summary of not more than 100 words, computer typed in word document format either in Hindi or in English is to be submitted or uploaded with the entry. Image or photo of the textual summary will not be acceptable. The summary will include details about the selected art form, place of it's origin, communities involved in its practice, special occasions when the art form is made or performed, costumes, accompanying instruments, props, its connect with the environment, its style, techniques, material used, etc. The textual summary can be supported with photographs (maximum 5) of the participant in making of their art piece or giving performance, etc.

Note: Textual Summary (write-up) and Video Film carries five marks in each of the categories and will impact the final evaluation.

2.5 AWARDS

All the winners (1st, 2nd and 3rd) will be awarded cash prize*, a trophy and medal. All participants will be given a certificate of National level participation. The cash awards in each art forms are as under:

* It would be pertinent to mention that the awarded cash prize would be digitally transferred to the account of State Education Department.

First prize	:	₹ 25,000/-
Second prize	:	₹ 20,000/-
Third prize	:	₹ 15,000/-

3. Guidelines for National Level Competitions

All Nodal Officers should personally check the entries, fill up the Declaration Forms for the authentication as given in Annexure I and II and verify it before uploading and sending them for the National Level Competition.

3.1 VOCAL MUSIC SOLO

The competitions in Vocal Music will be conducted in the following two categories-

1. Vocal Music — Classical
2. Vocal Music — Traditional Folk

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes and stage settings should relate to the presentation.
- Professional and commercial tracks are not allowed.
- The organisers of the competition will provide accompanists such as Tabla, Dhol, Naal, Harmonuim, Keyboard, Mridangam.

Please give your exact requirement in advance along with the form (Annexure-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet — Vocal Music – Classical

Authenticity in Shaili	Sur/ Tone	Taal	Pronunciation of Lyrics	Creativity	Sequence of deliberation of a Raga	Skills Presentation	Write up and Video	Total Marks
10	20	20	10	10	10	15	5	100

Evaluation Sheet — Vocal Music – Traditional Folk

Authenticity in Shaili	Sur/ Tone	Taal	Pronunciation of dialect	Authenticity of costume	Use of props	Skills Presentation	Write up and Video	Total Marks
10	20	15	15	15	5	15	5	100

3.2 INSTRUMENTAL MUSIC SOLO

The competitions in Instrumental Music will be in the following two categories —

1. Instrumental Music — Percussive
2. Instrumental Music — Melodic

General Information

- Instrumental Music—Percussive includes Indian musical instruments like — Mridangam, Edakka, Tabla, Dhol, etc.
- Instrumental Music—Melodic (any string or aerophone) instruments includes Indian Melodic instruments like Violin, Sitar, Flute, Sarod, Veena, Shehnai, Santoor etc.
- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes and stage settings should relate to the presentation.
- Only indigenous musical instruments are allowed.
- Electronic or programmed musical instrument will not be allowed.
- The organisers of the competition will provide accompanists on Tabla, Dhol, Harmonuim, Keyboard, Mridangam. Please give your exact requirement in advance along with the form (Annexure-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet — Instrumental Music – Percussive

Tonal Accuracy of Instrument	Composition	Style of presentation	Creativity	Rhythmic Interpretation	Skills Presentation	Write up and Video	Total Marks
15	15	15	15	20	15	5	100

Evaluation Sheet — Instrumental Music – Melodic

Tonal Accuracy of Instrument	Composition	Style of presentation	Creativity	Rhythm	Skills Presentation	Write up and Video	Total Marks
15	15	15	15	20	15	5	100

3.3 DANCE SOLO

The competition in Dance will be conducted in the following two categories—

1. Dance — Classical
2. Dance — Traditional Folk

General Information

- ❖ Classical dance forms include Bharatanatyam, Chhau, Kathak, Sattriya, Kuchipudi, Odissi, Mohiniattam, Kathakali, and Manipuri.
- ❖ Traditional folk dance will be traditional folk of any State or region.
- ❖ The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- ❖ The performance can be on any 'shaili' or style of the State or region.
- ❖ Music can either be recorded or played live. For live music, the organisers of the competition can provide accompanist if required. Team can also take help from the mentor teacher/s or other team members from the state.
- ❖ Costumes and make-up should be simple, authentic, thematic and related to the presentation.,

- Very Simple and Minimum Sets and costumes, etc., are to be arranged by the State/UT/KVS/NVS authorities.

Evaluation Sheet — Dance – Classical

Authenticity of Style	Delibe-ration	Expression	Music	Creativity	Make up	Costume	Stage decor	Overall Presentation	Write up and Video	Total Marks
10	15	12	12	12	10	12	2	10	5	100

Evaluation Sheet — Dance – Folk

Authenticity of Style	Delibe-ration	Expression	Music	Creativity	Make up	Costume	Stage decor	Overall Presentation	Write up and Video	Total Marks
10	15	12	12	12	10	12	2	10	5	100

3.4 VISUAL ARTS

The competition in Visual Arts will be conducted in the following three categories—

1. Visual Arts (2- dimensional)
2. Visual Arts (3- dimensional)
3. Indigenous Toys and Games

General Information

- Visual arts (2-D) will include drawing, painting, printing and design. Any artwork which includes painting will be considered in 2-D category of visual arts. For example 2-D painting, 3-D painting, rock painting, wall painting, floor painting etc. will be considered under 2-D category only.
- Visual arts (3-D) will include sculpture using any eco-friendly material.
- The participants are free to use any medium and material of their choice but it should not be more than 24×30 inch (imparial Size).
- The arrangements of the art material should be made by the State/UT/NVS/KVS authorities or by the participants. The art material like clay and sand can be arranged by the organisers on request.

Please give your exact requirement in advance along with the form (Annexure-I) submitted by the Nodal Officer.

- The size of Visual Art work 2-D, Visual Art work 3-D and Indigenous Toys should be as per the individual need. It is advised to have a manageable size which can be completed in given time.
- In Indigenous Toys, the participant is expected to focus on the functional accuracy and original design of the toy/s or game/s.
- The participants are expected to complete their art work on the spot during the national level competition. Artwork made earlier are not allowed.
- Visual arts competition will be given two days to complete the art work.
- The participants should be available at the venue for interaction with the Jury. Jury will observe the participants during the process and interact with them on all days.
- The toy making can relate to (i) agricultural implements and tools (ii) characters of Panchatantra, Jataka tales and Folk tales which help in enhancing moral values. Materials to be used should be same as of the original toy being reproduced. In case the material used in toy originally is not available or banned, the participant can use eco-friendly material available, locally.
- Each of the participants for the 3 categories of Visual Arts will be provided space of 6×4 feet to work.

Evaluation Sheet — Visual Arts (2-dimensional)

Style	Composition	Originality	Fineness	Technique	Overall impact	Presentation/ Narration	Write up and Video	Total Marks
10	15	20	10	10	15	15	5	100

Evaluation Sheet — Visual Arts (3-dimensional)

Style	Utility of the product	Originality of Style	Finishing	Technique/ Skill	Overall impact	Presentation/ Narration	Write up and Video	Total Marks
10	15	20	10	10	15	15	5	100

Evaluation Sheet — Indigenous Toys and Games

Experience	Utility/ Development value of the product	Originality and contextual creativity	Finishing	Technique/ Skill	Overall impact	Presentation/ Narration	Write up and Video	Total Marks
10	15	20	10	10	15	15	5	100

3.5 DRAMA (SOLO ACTING)

Drama will include any Solo act integrating glimpses from the life of any personality, that is; eminent social reformer, artist, writer, poet, scientist, freedom fighter, of your State or Region.

- ❖ The duration of the performance will be 6–8 minutes.
- ❖ Every team will get additional 10 minutes for the stage setting (technical setting and clearing of the stage).
- ❖ Performance can be in language or dialect of your region.
- ❖ Costumes, stage-setting, props etc. will be arranged by the teams themselves.
- ❖ For background music one may use tracks or recorded music.

Evaluation Sheet —Drama (Solo Acting)

Subject chosen/ Theme	Speech/ Dialect	Communication skill/expression	Stage Decor/ Design	Costume and makeup	Overall presentation	Write up and Video	Total Marks
20	20	20	10	10	15	5	100

4. Role and Responsibilities of the States/UTs Secretary and KVS and NVS Commissioners

Each of the entries from States and UTs shall be approved by the Secretary, Education and in respect of KVS and NVS, they shall be approved by the respective Commissioner. The Nodal officer should personally check the entries, fill up the Declaration forms for the authentication as given in Annexure I and II and verify it before uploading and submitting them for the national level competitions.

Annexure— I

PROFORMA FOR SUBMITTING KALA UTSAV, (2023-24) ENTRIES

(To be sent by the State/UT/KVS/NVS to participate at National Level)

Section A

General Information

1. Name of the State/UT/KVS/NVS: ____________________
2. Details of the Participating Students:

S.No.	Name of the Student	Class	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Address with PIN code and Type of the school (Government/ Government aided/KVS/ NVS/Private School/other)	Name of the Art Form/ Category
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					
19.					
20.					

3. Details of the Mentors/Escort Teachers:

S.No.	Name of the Escort Teacher	Designation	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Complete address with PIN code and Type of the School (Govt/Govt aided/KVS/NVS/Pvt./ other)	Contact number
1.					
2.					

4. Details of the Escort/s with Children with Special Needs participant/s:

S. No.	Name of the Escort/ Parent	Name of the Children with Special Needs Student being escorted	Sex (Male/ Female)	Complete Address with PIN code	Contact number
1.					
2.					

5. Tick (✓) requirements of musical instruments and accompanists.
   - Tabla
   - Dhol
   - Harmonium
   - Keyboard
   - Mridangam
6. Tick (✓) on requirements of art materials (Visual Arts).
   - Sand
   - Clay
7. Textual summary of not more than 100 words. (For details, please refer to para 2.4.3 of the guidelines)
8. Video film of the process and presentation of the art form. (For details, please refer to para 2.4.2 of the guidelines)

Annexure— II

DECLARATION

(By the State/UT /KVS/NVS)

1. All the entries submitted for the National Level Kala Utsav (2023-24) are as per the Kala Utsav 2023-24 guidelines provided by the NCERT.
2. I have personally seen the presentation and I certify that they do not violate the Kala Utsav Guidelines.
3. I verify that all the participants and their escorts/ mentors have been scrutinised and were found fit on compliance of the instructions issued by DOPT, MHA and MOHFW on preventive measures to contain the spread of Novel Coronavirus (COVID-19) at functions/workplaces.

Dated: 20/ 11/ 2023

Place: _______________

Signature with seal

After filling up Annexures I and II, the entries for National Kala Utsav 2023-24 should be mailed at: kalautsav.ncert@ciet.nic.in before or on 20/11/2023 and be sent to the following address by post:

The Head,
Department of Education in Arts and Aesthetics,
G.B. Pant Block,
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi 110016

**In case of State and UT the declaration will be given by the Secretary (Education). In case of KVS and NVS, the respective Commissioner will give the declaration.*

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING